उठ के सवेरे तेरे दर आवा

उठ के सवेरे तेरे दर आवा जोगियां तेरे दर्शन दी मारी,
सब न दे दिला दियां जान दा है तेरी लगदी है सूरत प्यारी,
उठ के सवेरे तेरे दर आवा जोगियां

तक तक सोहना रूप दिल नहियो रज दा,
नाची जावा जदो तेरा चिमटा है वज्दा,
रत्नो दे पाली तेरे चरना दे विच मेरी ज़िंदगी बीत जाये सारी,
उठ के सवेरे तेरे दर आवा जोगियां

रुतबा है उचा तेरा शाहतलाइयाँ वालेया,
भरी है ओह्दी झोली जिहने तनु है ध्या लिया,
हर जेथे इतवार सिद्ध जोगियां देवे भगत तेरी पुजारी,
उठ के सवेरे तेरे दर आवा जोगियां

मनु नवसेहर दा प्रीत तेरा दास है,
रखी धमिंदर भी तेरे उते आस है,
घर साड़े भी कदे आ जोगियां सोहने मोर उते करके सवारी,
उठ के सवेरे तेरे दर आवा जोगियां

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/10781/title/uth-ke-sawere-tere-dar-aawa-jogiyan-tere-darshan-ni-maari

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |